IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

# व्यवहार कौशल की आवश्यकता एवं महत्व

डॉ. अलका पुरोहित, डॉ अशोक कुमार

सारांश–

किसी भी संगठन में यदि हमें बेहतर करना है तो सबसे जरूरी है व्यवहार कौशल की आवश्यकता को पूरा करना, बिना व्यवहार कौशल् के हम किसी भी कार्य को सही ढंग से नियोजित एवं क्रियान्वित नही कर पाते है व्यवहार कौशल से संगठन में आने वाली समस्या का हम समाधान निकाल सकते हैं व्यवहार कौशल से निपुण व्यक्ति के अंदर सकारात्मकता एवं बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता होती है संगठन में व्यवहार कौशल की आवश्यकता और महत्व इसी परिप्रेक्ष्य में शोध पत्र अवलोकनीय है

मुख्य शब्द – व्यवहार, कौशल् संप्रेषण, संगठन, सकारात्मकता, आवश्यकता।

प्रस्तावना – संगठन में व्यवहार कौशल के 8 प्रकारों को सम्मिलित किया गया है जिसमें से पहला संचार कौशल, टीम वर्क, बॉडी लैग्वेज, समय प्रबंधन, लीडरशिप स्किल, सही निर्णय लेने में कौशल, अनुकूलन क्षमता, काम की नैतिकता, समस्या का हल, इंटरपर्सनल स्किल्स आदि प्रमुख है व्यवहार कौशल में सबसे पहले है संचार कौशल हम आपसी बातचीत के द्वारा संगठन के सभी कार्यो को नियोजित रूप से संपन कर सकते है उसी तरह टीम वर्क के द्वारा संगठन के किसी भी कार्य को जल्दी से जल्दी पुरा किया जा सकता है वही व्यवहार कौशल में सम्मिलित इंटरपर्सनल स्किल के द्वारा आम जनता की समस्याएं एवं उनके समाधान के लिए कार्य करते हैं वही निर्णय निर्माण के द्वारा उन समस्यों का जल्दी से जल्दी समाधान निकाला जाता है इन गुणों के काराण संगठन बेहतर बन सकता है यदि किसी भी अधिकारियों व कर्मचारियों को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है तो सबसे अधिक आवश्यकता है कि वह व्यवहार कौशल के गुणों को अपनाएं और उनके ऊपर कार्य करें।

व्यवहार कौशल आवश्यकता एवं महत्व – व्यक्ति को अपने भविष्य का निर्माण करना है तो सबसे आवश्यक यह है कि वह अपने व्यवहार कौशल को बेहतर बनाये, क्योंकि व्यवहार कौशल के द्वारा किसी भी समस्या का समाधान किया जा सकता है

प्राथमिक स्त्रोत– व्यवहार कौशल की आवश्यकता और महत्व के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए हमने विभिन्न विभागों के सरकारी अधिकारी व शिक्षण प्रशिक्षण संस्थानों के अधिकारीयों से प्रत्यक्ष वार्तालाप कर जानकारियां हासिल की।

द्वितीयक स्त्रोत– द्वितीयक स्त्रोत में हमने प्रशासनिक अधिकारियों कर्मचारीयों से अनुभव प्राप्त किये तथा उनके विचारों पर गहनता से अध्ययन किया एवं व्यवहार कौशल में आने वाली विभिन्न समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा मासिक पत्र–पत्रिकाओं, समाचार पत्रों एवं वेबसाईट से जानकारियां प्राप्त की है।

उदेश्य –

1. व्यक्ति के अंदर यदि व्यवहार कौशल हो तो वह किसी भी समस्या का हल प्राप्त कर सकता है।
2. व्यवहार कौशल के द्वारा व्यक्ति टीम भावना के साथ काम कर सकता है।
3. व्यवहार कौशल के द्वारा सही समय पर निर्णय लेने से समस्याओं का समाधान करने में आसानी होती है।
4. व्यवहार कौशल के द्वारा कार्यो को सही समय पर और सही ठंग से नियोजित किया जा सकता है।
5. व्यवहार कौशल के द्वारा किसी भी कार्य को ईमानदारी एवं नैतिकता से पूर्ण किया जा सकता है।
6. व्यवहार कौशल के द्वारा प्रशासनिक संगठनों में कार्य में गति प्राप्त कि जा सकती है, तथा लक्ष्यों को प्राप्त करने में आसानी होती है।
7. व्यवहार कौशल के द्वारा ही अधिकारियों व कर्मचारियों के मध्य कार्य करने की सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है तथा संसाधनों का सही उपयोग किया जा सकता है।
8. व्यवहार कौशल के द्वारा प्रोत्साहन देकर संगठन में सामजस्य स्थापित कर उदेश्यों को पुर्ण रूप से प्राप्त किया जा सकता है।

सुझाव एवं निष्कर्ष – व्यवहार कौशल के द्वारा संगठन के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है तथा दूरदृष्टिता विकसित की जा सकती है व्यक्ति के अंदर इच्छा शक्तिं की कमी है तो सब से पहले आत्ममंथन करना चाहिए व्यक्ति को अपने अंदर जो भी कमियां है उसे दूर करने की कोशिश की जानी चाहिए, विशेषज्ञ और प्रशिक्षकों के द्वारा व्यवहार कौशल हेतु समय समय पर प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाते हैं उनमें सम्मिलित होकर और अधिक से अधिक कार्य गतिविधियों व कार्यक्रमों में भाग लेकर व्यवहार कौशलता को प्राप्त किया जा सकता है हमारे देश में ऐसे कई संस्थान है जो कि व्यवहार कौशल के लिए प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन करते है जिनमे सें प्रमुख है भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की, राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान चंडीगढ आदि प्रमुख है, व्यवहार कौशल को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक है कि हमें कार्यक्रमों व गतिविधियों मे भाग लेना चाहिए इससे कम्युनिकेशन स्किल, बॉडी लैग्वेज, समय प्रबंधन, टीमवर्क, लीडरशिप, स्किल्स को बेहतर बनाया जा सकता है।

प्रशासनिक संगठन में बेहतर निर्णय के अभाव में संगठन के लक्ष्यों की प्राप्ति सम्भव नही है व्यक्ति में निर्णय लेने की क्षमता अच्छी नही है तो वह संगठन के लक्ष्यों को प्राप्त करने में असफल रहता है।

संगठन में व्यवहार कुशलता होने पर संगठन के उज्जवल भविष्य का निर्माण किया जा सकता है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. अफसान (1991,:) शहरी एवं ग्रामिण प्रतिभा शाली छात्रों व्यवसायिक अभिरूचि और सृजनात्मक का अध्ययन।
2. फेयोल, हेनरी, 1949 जनरल एवं इंडस्ट्रियल एडमिनिस्ट्रेशन
3. स्निंग, अरूण कुमार, शिक्षा मनोविज्ञान।
4. भार्गव, डॉ महेश 1997 : ''आधुनिक मनोविज्ञान प्रशिक्षण एवं मापन'' प्रिटर्स पैलेस, कमलानगर, आगरा
5. भटनागर, भटनागरः अधिगमकर्ता का विकास एंव शिक्षण अधिगम की प्रक्रिया।